तोहफा

इलाकों के लिए होली स्पेशल ट्रेन चलाने 27 मार्च तक चलेगी। इसी तरह से वैष्णोदेवी, दरभंगा, गोरखपुर और पटना चलाई जाएगी। दिल्ली-कटरा होली स्पेशल ट्रेन सप्ताह में तीन दिन चलेगी।

सेबोर्गा देश के प्रतिनिधियों ने कहा कि दुनिया भर में मानद प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या है। प्रतिनिधियों को अन्य देशों में सोबोर्गा के बारे में जागरूकता को बढावा देने के लिए चुना जाता है। सेबोर्गा अपनी कृषि गतिविधि के लिए हर क्षेत्र में जाना जाता है। इस देश को संयुक्त राष्ट्र संघ से मान्यता प्राप्त नहीं है। पर्यटन क्षेत्र में हाल के वर्षों में विस्तार किया गया है। छाया : अथाह

Athah News

भारत-सेबोर्गा पर्यटन में कर सकते हैं अच्छा काम

बातचीत करते सेबोर्गा के राजकुमार मार्सेलो मिनगैटो। साथ में राजकुमारी नीना मिनगैटो।

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : भारत भ्रमण पर आए सेबोर्गा के प्रिंस मार्सेलो और प्रिंसेज नीना मेनेगैट्टो ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में भारत और सेबोर्गा बेहतर काम कर सकते है। सोबोर्गा अपने देश की पहचान बढ़ाने के लिए दुनिया भर में मानद प्रतिनिधियों का चयन कर रहा है। शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रिंस मार्सेलो ने कहा कि आर्मीनिया, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया इटली, आइवरी कोस्ट,स्लोवेनिया, स्विजरलैंड, अमेरिका व सऊदी अरब में अपने प्रतिनिधि को नियुक्त कर दिया है। नीना मेनेगैट्टो ने कहा कि इंडिया से बहुत कुछ सीखने लायक है। खास कर स्वादिष्ट भोजन, मेहमान नवाजी व फैशन ने बहुत आकर्षित किया। प्रतिनिधिमंडल के साथ आये लोगों में मंत्री मारिया कार्मेला, डोमिनको फाल्बो सहित अन्य लोग सम्मिलित रहे। हर्षवर्धन जैन को भारत में सेबोर्गा के प्रतिनिधि के तौर पर चुना गया है।

Dainik Jagran

पर्यटन को बढ़ावा देने भारत पहुंचे सेबोर्गा के प्रिंस व प्रिंसेंस

गाजियाबाद। इटली और फ्रांस के बीच बसे छोटे से राष्ट्र सेबोर्गा के प्रिंस व प्रिंसेंस अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने मंत्रिमंडल के साथ चार दिवसीय दौरे पर पहुंचे। अपने दौरे के अंतिम दिन गुरुवार को वह गाजियाबाद पहुंचे और अपने देश की संस्कृति व पर्यटन के बारे में बताया।

दुनिया में बेहतरीन ऑलिव आयल व फूलों की खेती के मशहूर सेबोर्गा की आबादी ढाई हजार है मगर उसके नागरिकों की संख्या मात्र 360 है। भारत दौरे पर आए सोबोर्गा के प्रिंस मारसेलो मैनीकाटो, प्रिंसेंस नीना मेनीकाटो ने बताया कि इटली सोबोर्गा को अपने देश का हिस्सा बताता है। जब यह इटली से अलग हुआ उस समय फ्रीडम से सम्बंधित पेपर पर साइन नहीं हो सके थे। तबसे उनके व इटली के बीच इसको लेकर विवाद है। फ्रीडम को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ में मामला लंबित है। एक स्वतंत्र देश के रूप में अभी तक किसी देश ने सोबोर्गा को मान्यता नहीं दी है। मगर इस देश का अपना संविधान है। अपना नियम व अपनी मुद्रा लूजियानलो है जो साढ़े तीन यूरो के बराबर एक लूजियानलो मुद्रा मानी जाती है। प्रिंसेस नीना मैनीकाटो ने बताया कि भारत में आकर उन्होंने आगरा, दिल्ली व यूपी के कई शहरों का दौरा किया।

भारत आने का उद्देश्य उनका अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा देना है। इसके लिए भारत में उनके चार प्रतिनिधि डॉ. एसपी सिंह ओबरॉय, एसके अरोड़ा, नितिन जैन व विकास शर्मा मौजूद हैं। इसके अलावा 11 अन्य देशों में भी उनके प्रतिनिधि मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि इस देश के लोग पर्यटन के उद्देश्य से वहां घूमने आएं व खूबसूरती का आन्नद लें।

इस देश का क्षेत्रफल 14 किलोमीटर में फैला है। यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय ऑलिव ऑयल व फूलों की खेती है। इस मौके पर सेबोर्गा के राज्य शाही सलाहाकार हर्षवर्धन जैन, सोबार्गा के मंत्रिमंडल से मारिया कार, विको व्यान छेरी, डोमीनेको, कारलो व्यानछेरी, मारात्रचि, लारतियाना ब्लांग, लर्रिनाना ब्लांग, एडीथ कवाजोथ के अलावा अनिल मेहरा, आशु गोयल मौजूद रहे।

टूरिज्म को बढ़ावा देने पहुंचे सिबोरगा के प्रिंस और रानी

गाजियाबाद (ब्यूरो)। सिबोरगा में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इसके प्रिंस मार्सिलो मैनीगेटो और प्रिंसेज नीना मैनीगेटो अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ बृहस्पतिवार को गाजियाबाद पहुंचे। इटली और फ्रांस की सीमा से सटे और खुद को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करने वाले सिबोरगा के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य पूरी दुनिया में घूमकर अपने देश का प्रचार कर रहे हैं। ताकि सिबोरगा में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक वहां आएं।

एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सिबोरगा के प्रिंस मार्सिलो और प्रिंसेज नीना ने बताया कि 954 ईसवी की यह रियासत है। यूएनओ ने अभी तक इस राष्ट्र को मान्यता नहीं मिली है, लेकिन सिबोरगा की तरफ से मान्यता की कोशिश की जा रही है। सिबोरगा के दुनिया में मानद प्रतिनिधि हैं। जब कभी ये प्रतिनिधि सिबोरगा आते हैं तो उन्हें ऑनरेरी दूत की सुविधाएं मिलती हैं। उन्हें हर सुविधाएं दी जाती है। प्रतिनिधियों को भी सिबोरगा के कानून और नियमों का पालन करना पड़ता है। यहां पर टूरिज्म मुख्य व्यवसाय है जिसकी आबादी मात्र 320 लोगों की है।

Amar Ujala

सुबोर्गा के राजा-रानी का तीन दिवसीय भारत दौरा

अपने देश में टूरिज्म को बढावा देने के लिए प्रयासरत: प्रिंस मार्सिलो

गाजियाबाद। सुबोर्गा देश के राजा प्रिंस मार्सिलो और रानी नीना ने आज प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि वे अपने देश में टूरिज्म को बढावा देने के लिए प्रयासरत है, इसलिए उन्होंने भारत का दौरा किया है। उन्होंने बताया कि सुबोर्गा ने इटली से आजादी के बाद अपना संविधान और मुद्रा अलग की है जो अर्न्तराष्ट्रीय बाजार में काफी कीमती है। उनका देश केवल 14 वर्ग किलो मीटर में फैला है, जिसकी आबादी महज 2500 है। प्रेसवार्ता के दौरान राजा और रानी ने यह भी कहा कि वो दोनों भारत भ्रमण से काफी खुश हैं तथा यहां की आदरनीति ने उनको खासा प्रभावित किया है। वे चाहते हैं कि भारत के लोग उनके यहां व्यापार के साथ भ्रमण भी करें ऐसा करने से उनको तथा उनके देशवासियों को भारत के लोगों का आदरसत्कार का मौका मिलेगा। उन्होने कहा कि वे अबतक आगरा का तालमहल और दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों के अलावा यूपी की तरफ आये हैं, इस दौरान उनको जो भरपूर आदर और सम्मान मिला है उसके लिए वे भारत देश और भारतवासियों को शुक्रिया अदा करते हैं। इस दौरान रानी ने बडी गर्मजोशी से यह भी कहा कि जो आदर और सत्कार तथा इस दौरान जिस मात्रा में उन्हें पुष्पगुछ भेंट किये गये हैं, इतने को कभी उनको अपने देश में तथा वहां के राजा प्रिंस मार्सिलो द्वारा भी नहीं दिये गये तथा यहां गाजियाबाद में उनको जो सम्मान मिला है उसकी वह कायल रहेंगी।

पंचवटी समिति ने किया मेयर का स्वागत

गाजियाबाद। न्यु पंचवटी समाज सेवा समिति के तत्वावधान में मेयर आशु वर्मा के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मौजूद समिती सदस्यों ने कालोनी समस्या से श्री वर्मा को अवगत कराया। इस पर उन्होंने जल्द ही

पीए संगमा मिलनसार और सभी की मदद करने वाले व्यक्ति थे: सिकंदर यादव

गाजियाबाद। लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष और नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेता पीए संगमा के निधन पर कॉनस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वाले व्यक्ति थे। वे अपने इरादों के पक्के थे और कभी भी किसी से झुकते नहीं थे हमेशा खुश रहते थे उनकी कमी पुरे देश को खलेगी।

शोक सभा में केंद्रीय परिवहन मंत्री

प्रिंस मार्सेलो ने दिया सेबोर्गा आने का निमंत्रण

फार्च्यून होटल में पत्रकारों से बात करते सेबोर्गा के प्रिंस -प्रिंसेस एवं उनके मंत्री मंडल के सदस्य।

कविनगर स्थित सेबोर्गा के भारत में अधिकृत प्रतिनिधि सुधीर अरोड़ा के आवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में प्रिंस एवं प्रिंसेस ।

विशेष संवाददाता

गाजियाबाद। दुनिया में आकर्षण बने सेबोर्गा देश के प्रिंस मार्सेलो और प्रिंसेस नीना मैनगेटो ने अपने मंत्रीमंडल के साथ भारत भ्रमण कल गाजियाबाद का भी दौरा किया। सेबोर्गा के भारत में नियुक्त किए गए अधिकृत प्रतिनिधि सुधीर अरोड़ा के कविनगर निवास पर प्रिंस मार्सेलो और प्रिंसेस नीना मैनगेटो ने पत्रकारों से भी बात की। सेबोर्गा की आबादी मात्र 320 नागरिकों की है। ये फ्रांस और इजिप्ट के साथ जुड़ा यूरोप के इतिहास से जुड़ा एक छोटा कबिला प्रदेश है। यहां की अपनी अलग मुद्रा है, जिसकी कीमत छह यूरो के बराबर है। जैतून के तेल के लिए यह छोटा देश काफी प्रसिद्ध है। ईसा से पूर्व के कई स्मारक यहां मौजूद हैं जो पूरे विश्व के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनते हैं। प्रिंस मार्सेलो ने बताया कि उनका और उनके मंत्रीमंडल का भारत भ्रमण का मुख्य उद्देश्य यहां से पर्यटकों को सेबोर्गा के लिए आमंत्रित करना है। श्री अरोड़ा के निवास पर एकत्रित सभी मेहमानों को भी प्रिंस ने सेबोर्गा आने का निमंत्रण दिया। इससे पूर्व होटल फार्च्यून में पत्रकारों से बात करते हुए प्रिंस मार्सेलो ने बताया कि भारत भ्रमण का उनका अनुभव बेहद अच्छा रहा है। यहां के लजीज व्यंजन उन्हें बेहद पसंद आए। उन्होंने आगरा के ताजमहल की जमकर तारीफ की। सेबोर्गा के बारे में बताते हुए राज्य शाही सलाहकार हर्ष वर्धन जैन ने बताया कि सेबोर्गा फ्रांस की सीमा के पास लिगुरिया में इम्पीरिया के पश्चिमोत्तर इतालवी प्रांत में स्थित है। एक लघुराष्ट्र और मोनाको (मोंटे कार्लो) से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। राज्य और सरकार के मुखिया राजकुमार को सात के

सुधीर अरोड़ा के आवास पर ही सेबोर्गा के प्रिंस एवं प्रिंसेस से बातचीत करते हिन्द समूह के प्रधान संपादक कमल सेखरी।

- सेबोर्गा के प्रिंस-प्रिंसेस ने की भारतीय संस्कृति की प्रशंसा
- मात्र 320 लोगों की आबादी है सेबोर्गा की
- फूल और जैतून के तेल का करता है निर्यात

कार्यकाल के लिए निर्वाचित किया जाता है। सेबोर्गा की अपनी सीमा है, लाइसेंस, प्लेट, मुद्रा (लुजियानलो) और संविधान है। जैतून और फूलों की खेती का संग्रह सेबोर्गा अपनी कृषि गतिविधि के लिए इस क्षेत्र में जाना जाता है। पर्यटन के क्षेत्र में इसने काफी विस्तार किया है। करीब ढाई हजार पर्यटक यहां एक समय में रहते हैं। 1960 में अपनी स्वतंत्रता को फिर से घोषित कर दिया। यह एक प्रांत है और संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। उन्होंने बताया कि सेबोर्गा के दुनिया भर में मानद प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या है। प्रतिनिधियों को अन्य देशों में सेबोर्गा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए चुना जाता है। आर्मीनिया, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, इटली, आइवरी कोस्ट, स्लोवेनिया, स्विटजरलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका व सऊदी अरब हैं। फ्रांस तक हवाई यात्रा के बाद सड़क मार्ग से सेबोर्गा पहुंचा जा सकता है। प्रिंस ने बताया कि उनका इटली के साथ व्यवहार अच्छा नहीं है। प्रिंस के साथ उनके मंत्रीमंडल के सदस्यों में मोरो कारासोल, मिसेस मारिया कारासोल, मिक्रो ग्वानहेरी, डॉनमिको, कारलो ग्वानहेरी, मारा ब्रुघि, लॉर्डिनाना ब्लांग, एड्रीना क्वाजनी भी साथ थे। इस मौके पर अनिल मेहरा व आशु गोयल भी मौजूद रहे।

स्थानीय होटल में सबोर्गो के प्रिंस व प्रिंसिज एवं राज्य सलाहकार हर्षवर्धन जैन पत्रकारों से वार्ता करते हुए।

सबोर्गो के प्रिंस व राजकुमारी का स्वागत

-शाह टाइम्स संवाददाता-

गाजियाबाद। विश्व में कुछ देश ऐसे है जो आपको हैरत में डाल सकते है। सबसे अधिक आबादी वाले देश से लेकर कुछ ऐसे देश भी है जो कि अपने एक्सपोर्ट, अपनी जनसंख्या के लिए खासे परिचित है। आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताएंगे। जिसकी आबादी देखकर आप भा हैरान रह जाएंगे। खास बात ये है कि यहां के देश के लिए उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जनपद से हर्षवर्धन जैन को राज्य सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा भी कई अन्य देशों में भी अपने प्रतिनिधि नियुक्त किए हैं। सबोर्गो नामक इस देश के प्रिंस मारसेलों मैगनिटो, प्रिंसिस मारिया सेरा समेत यहां के एजुकेशन, न्यायिक, एग्रीकल्चर विभाग के मंत्री चार दिन के दौरे पर भारत पहुंचे। अपने अंतिम दौरे के दिन प्रिंस उनकी पत्नी और मंत्री मंडल के लोग गाजियाबाद पहुंचे। जर्मनी और इटली के बोर्डर के बीच में सबोर्गो कंट्री आता है। 14 किलोमीटर के क्षेत्रफल में ये देश फैला हुआ है और यहां की आबादी महज 320 लोगों की है। इतनी आबादी होने के बावजूद यहां की मुद्रा लुजियानालों की कीमत 3 यूरो के बराबर है। यहां प्रमुख रूप से जैतून और फलावर की खेती की जाती है जोकि दूर दराज के देशों तक में मशहूर है और ये ही उनकम का मुख्य जरिया भी है। सबोर्गो कंट्री को यूएनओ से मान्यता प्राप्त नहीं है। लेकिन यहां के अपने कानून और मान्यता है। प्रिंस मैगनीटो ने बताया कि उन्होंने अपने सभी प्रमुख देशों में उनकी तरफ से सलाहकार नियुक्त किए गए है। जिनकी मदद से सबोर्गो में टूरिजम को बढ़ावा मिल सके और डवल्पमेंट के नए अवसर पैदा हो सके। इस अजब गजब देश के प्रिंस मॉरसिलों मैगनिटो ने अपनी पत्नी मारिया कारसेलिया व मंत्री मंडल के साथ में भारत में उनके देश की एम्बेसी के कार्डसिल सुधीर अरोड़ा के घर पर एक चाय पार्टी की और भारत के साथ में अच्छे व्यापार सम्बन्ध स्थापित करने की बात कहीं। सबोर्गो की प्रिंसिस नीना मैगनिटो के अनुसार इटली से उनके स्वतंत्रता को लेकर कई इशू हैं, जिन्हें भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जा रहा है। साथ ही प्रतिनिधि नियुक्त करने के लिए उन्होंने मापदण्ड भी पत्रकारों को बताये। कहा कि स्वतंत्रता के लिए वह अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में गुहार लगायेंगे। चार दिवसीय दौरे में उन्होने दिल्ली, यूपी के कुछ शहरों को घूमा है। उत्तर प्रदेश के आगरा के ताजमहल को देखना एक सुखद एहसास है। इस दौरान राज्य सलाहकार हर्षवर्धन के साथ वरिष्ठ समाजसेवी अनित मेहरा तथा आशु गोयल भी उपस्थित रहे।

> *14 वर्ग किलोमीटर में 320 की आबादी का है देश*

मोदीनगर सर्राफा व्यवसायी विरोध जताने पहुंचे दिल्ली

मोदीनगर। दिल्ली में आयोजित हुए सर्राफा व्यापारियों के प्रदर्शन में मोदीनगर से सर्राफा व्यापारी किशन कुमार बंसल नेतृत्व में दर्जनों व्यापारी दिल्ली पहुंचे, जहां पर सोने पर बढ़ायी गई एक्साइज ड्यूटी का उन्होंने विरोध जताया। अमित बंसल सर्राफा व्यापारी ने बताया कि एक्साइज ड्यूटी का विरोध करने के लिए देशभर से लाखों व्यापारी दिल्ली पहुंचे थे और जिन्होंने एकजुट होकर बढ़ाई गई एक्साइज ड्यूटी को वापस लेने के लिए केन्द्र सरकार से अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई की सरकार अपने इस निर्णय पर सोच-विचार करेगी। मोदीनगर से जाने वालों में मुख्यरूप से अमित गोयल, राहुल माहेश्वरी, विरेंद्र गुप्ता, कपिल, प्रिंस आदि रहें।

Shah Times

---

320 लोगों की आबादी वाले देश के प्रिंस प्रिंसेज पहुंचे गाजियाबाद
पेज-8

www.currentcrime.com

दैनिक

करंट क्राइम

सिर्फ सच...

शुक्रवार , 18 मार्च -2016, नई दिल्ली

RNI NO. DELHIN/2015/65364

320 लोगों की आबादी वाले देश के प्रिंस-प्रिंसेज पहुंचे गाजियाबाद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सेबोर्गा के राजकुमार एवं राजकुमारी समेत मंत्री मंडल का गाजियाबाद आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के दौरान आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान राजकुमार मार्सेलो मैनीकाटो ने कहा कि सेबोर्गा एक लघु राष्ट्र के रूप में है और यहां पर कुदरत की सुन्दरता देखते ही बनती है। सेबोर्गा के दुनिया भर में मानद प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या है। राजकुमार मार्सेलो मैनीकाटो ने भारत आगमन के दौरान कहा कि यह भारत में अपने देश का टयूरिज्म बढ़ाने के लिए आये हैं। उन्होंने भारत भ्रमण के दौरान खुलकर भारतीय संस्कृति की प्रशंसा की।

राजकुमारी नीना मैनीकाटो ने इस मौके पर कहा कि सेबोर्गा का अपना कानून है और यहां के लोगों को अपने नियमों का पालन करना पड़ता है।

▸ सेबोर्गा के टयूरिज्म को बढ़ाने के लिए मंत्री मंडल ने किया भारतीय से आह्वान

उन्होंने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत में अनेक प्रकार संस्कृति हैं और यहां के लोग मिल जुलकर रहते हैं। नीना मैनीकाटो ने कहा कि सेबोर्गा में टयूरिज्म को बढ़ाने के लिए उनका प्रतिनिधि मण्डल गाजियाबाद आया है। गाजियाबाद आगमन पर सेबोर्गा के रायल एडवाइजर हर्ष वर्धन जैन ने प्रतिनिधि मंडल का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत भी किया।

क्या है सेबोर्गा का इतिहास

सेबोर्गा की रियासत 840 ईस्वी गहरी ईसाई जड़ो से है। फ्रांस की सीमा

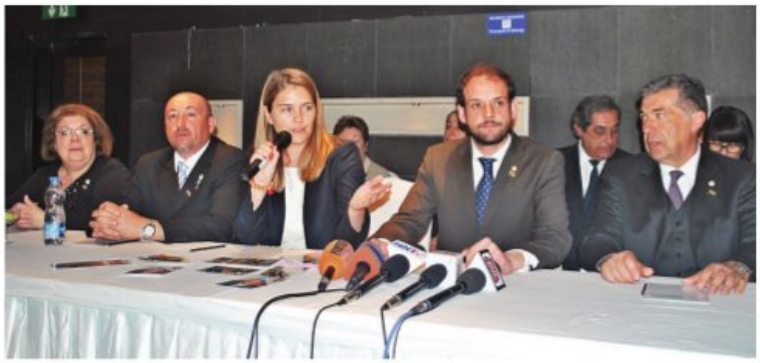

के पास लिगुरिया में इम्पीरिया के पश्चिमोत्तर इत्तालवी प्रांत में स्थित एक लघु राष्ट और मोनाको (मोंटे कार्लो) से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। राज्य और सरकार के मुखिया राजकुमार जो साम वर्ष के कार्यकाल के लिए निर्वाचित किया जाता है। सेबोर्गा अपनी ही सीमा में लाईसेंस, प्लेट, मुद्रा (लूजियानलो) और संविधान है। सेबोर्गा में जैतून एवं फसलों की खेती का संग्रह बताया जाता है। सेबोर्गा में कुल आबादी 320 है और यहां पर लगभग टयूरिस्ट समेत ढ़ाई हजार की आबादी रहती है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से सेबोर्गा को देश की मान्यता नहीं दी गई है जबकि एक अन्य संस्था एनएयूवीआई ओसीओएनसीओ ने लघु राष्ट्र की मान्यता दी हुई है।

Current Crime

नेशनल प्रैस टाइम्स
गाजियाबाद संस्करण
शुक्रवार 18 मार्च, 2016

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये किया विजिट

सेबोर्गा से भारत पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

गाजियाबाद। देश मे पर्यटन को बढावा देने की नियत से प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आये सेबोर्गा की रियासत के रायल एडवाइजर हर्षवर्धन जैन ने कहा कि यदि विदेशों की तर्ज पर भारत मे पर्यटन व्यवसाय को आधुनिकतम तरीके से किया जाय तो देश आर्थिक तौर पर मजबूत ही नही होगा वरन बेरोजगारी पर भी हद तक अंकुश लग सकता है। एक होटल के सभागार मे पत्रकारों से बातचीत करते हुये श्री जैन ने कहा कि वैसे तो वह शुरु से ही समाजसेवा जैसे कार्यो मे बढचढ कर भाग लेते रहे लेकिन इसके साथ ही उन्होने भारतीय उत्पादों को बढावा देने के लिये दुनिया भर के अंर्तराष्ट्रीय बाजारों मे अपनी पहुंच बनाई। क्रेता व विक्रेता के बीच मजबूत कड़ी की तरह काम करते हुये श्री जैन ने इन्दिरा ओवरसीज लिमिटेड नामक कम्पनी की स्थापना की और खनन, लौह एवं इस्पात के क्षेत्र मे कार्य करते हुये अंर्तराष्ट्रीय बाजारों तक अपनी पहुंच बनाई। इस बीच उन्होने और भी दर्जनो कम्पनियों की स्थापना की और कारोबार को दुनिया के तमाम देशों तक पहुंचा दिया। वार्ता के दौरान सोबार्गा के किंग प्रिंस मार्सिलो मेंगटों उनकी पत्नी प्रिंसेस नीना मेंगटो के अलावा 8 मंत्री भी शामिल रहे।

होली पर्व पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं

अनिल मेहरा
समाजसेवी

आशु गोयल
समाजसेवी

हर्षवर्धन जैन

राज्य शाही सलाहकार
सेबोर्गा

निवेदक :-
जैन ग्रुप, गाजियाबाद

श्री हर्षवर्धन जैन (जैन समूह , गाजियाबाद-भारत) सेबोर्गा की रियासत से प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया। सेबोर्गा की रियासत 954 ईस्वी गहरी ईसाई जड़ी है। फ्रांस की सीमा के पास लिगुरिया में इम्पोरिया के पश्चिमोत्तर इतावली प्रांत में स्थित एक लघुराष्ट्र और योनाको (मोंटे सर्सो) से लगभग 35 किमी दूर है। राज्य और सरकार के मुखिया राजकुमार, लो सात साल के लिए कार्यकाल के लिए निर्वाचित किया जाता है और फिर से निर्वाचित हो जाएगा। आज सेबोर्गा का अपनी ही सीमा साइसंस प्लेट, मुद्रा (लूलियानसो) और संविधान है। जैतून और फूलों की खेती का संग्रह सेवोगई अपनी कृषि गतिविधि के लिए इस क्षेत्र में जाना जाता है। पर्यटन हाल के वर्षों में विस्तार किया गया है। 1960 में अपनी स्वतंत्रता को फिर से घोषित कर दिया। यह एक प्रांत है और संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। सेगोई के दुनिया भर में मानद प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या है। प्रतिनिधियों को अन्य देशों में सेबोर्गा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए चुना जाता है। प्रतिनिधियों को आनरेरी प्रतिनिधि या सेबोर्गा के आनरेरी दूत के रूप में बुलाया अथवा जाना जाता है। प्रतिनिधियों को आनरेरी नियुक्ति का पत्र और सम्मानित आनरेरी पासपोर्ट पहचान पर अनुरूप दिया जाता है। प्रतिनिधियों को सेबोर्गा ध्वज के साथ वाहन आनरेरी पंजीकरण प्लेट और प्रदान की जाती है, लेकिन सेबोर्गा किसी भी नियम के संकेत नहीं करता है या उनका प्रयोग करने के लिए प्रतिनिधियों को मजबूर नहीं करता है। प्रतिनिधियों को उनके अपने देश के कानूनों और नियमों का पालन करना पड़ता है। सेबोर्गा द्वारा प्रदान की आनरेरी वस्तुओं और आनरेरी दस्तावेजों के इस्तेमाल के लिए। सेबोर्गा किसी भी वित्तीय लाभ और व्यक्तिगत लाभ के लिए, मानद कौंसल या मानद उप वाणिज्य दूत या प्रतिनिधि बिल्कुल नहीं स्वीकार करता है। सेबोर्गा केवल किसी भी व्यक्तिगत इच्छा दान को स्वीकार करता है।

हर्ष वर्धन जैन (जैन ग्रुप, गाजियाबाद)

Shah Times (24 marzo 2016)